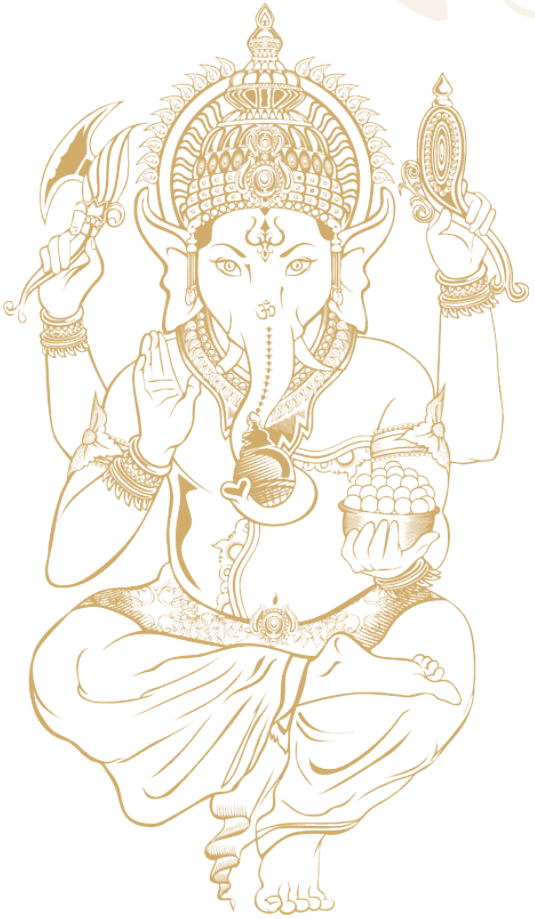

Mr.

17 Dec 1984

12:10 PM

Bokaro

Model: web-freekundliweb

Order No: 121847409

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/12/1984**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:10:00 घंटे**
इष्ट	14:29:36 घटी
स्थान	**Bokaro**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:51:00 उत्तर
रेखांश	86:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:24:08 घंटे
वेलान्तर	00:03:50 घंटे
साम्पातिक काल	18:08:27 घंटे
सूर्योदय	06:22:09 घंटे
सूर्यास्त	17:02:00 घंटे
दिनमान	10:39:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:52:14 धनु
लग्न के अंश	09:12:08 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	09:12:08	486:25:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			धनु	01:52:14	01:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	23:24:26	14:14:46	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	00:14:43	00:45:49	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	25:34:49	01:13:45	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	24:26:52	00:13:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	15:52:17	01:09:43	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			तुला	29:35:27	00:06:27	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
राहु			वृष	03:32:14	00:01:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:32:14	00:01:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	20:51:17	00:03:38	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:17:09	00:02:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	10:21:09	00:01:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	08:17:36	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:35

लग्न-चलित

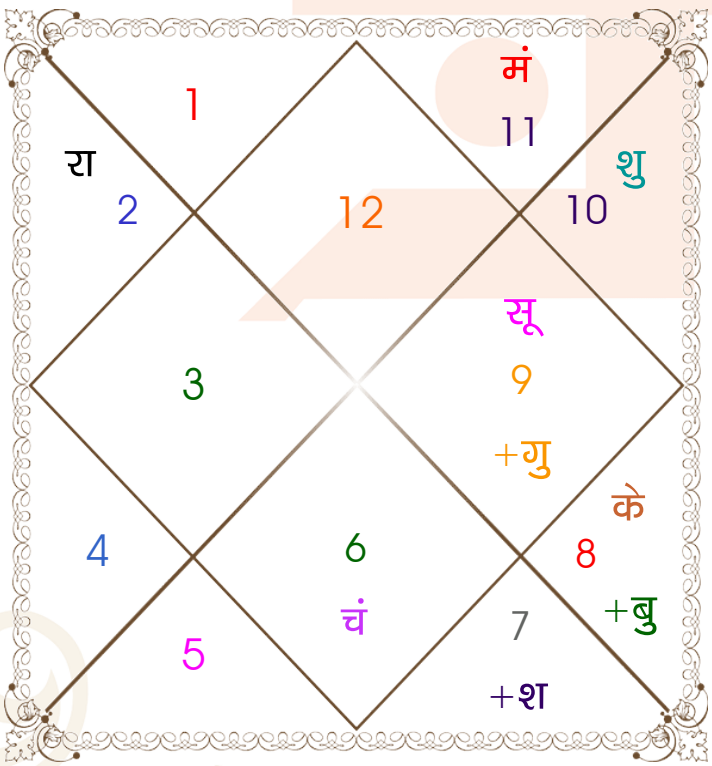

चन्द्र कुंडली

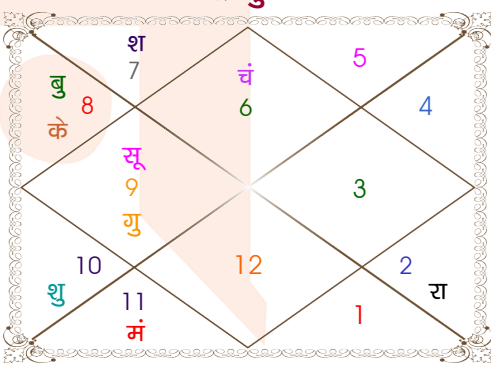

नवमांश कुंडली

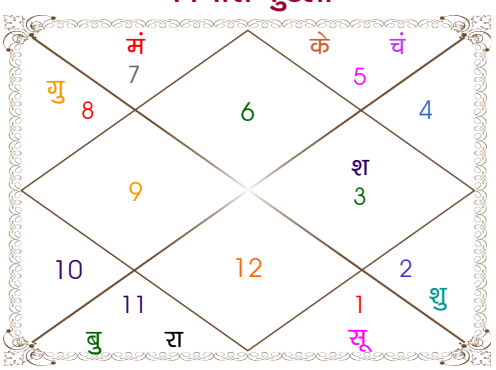

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 11 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/12/1984		04/12/1991		03/12/2009		03/12/2025		03/12/2044	
04/12/1991		03/12/2009		03/12/2025		03/12/2044		03/12/2061	
मंगल	01/05/1985	राहु	16/08/1994	गुरु	21/01/2012	शनि	06/12/2028	बुध	01/05/2047
राहु	19/05/1986	गुरु	08/01/1997	शनि	04/08/2014	बुध	16/08/2031	केतु	28/04/2048
गुरु	25/04/1987	शनि	15/11/1999	बुध	08/11/2016	केतु	24/09/2032	शुक्र	27/02/2051
शनि	03/06/1988	बुध	04/06/2002	केतु	15/10/2017	शुक्र	24/11/2035	सूर्य	03/01/2052
बुध	31/05/1989	केतु	22/06/2003	शुक्र	15/06/2020	सूर्य	05/11/2036	चंद्र	03/06/2053
केतु	28/10/1989	शुक्र	22/06/2006	सूर्य	04/04/2021	चंद्र	07/06/2038	मंगल	01/06/2054
शुक्र	28/12/1990	सूर्य	17/05/2007	चंद्र	04/08/2022	मंगल	17/07/2039	राहु	18/12/2056
सूर्य	05/05/1991	चंद्र	15/11/2008	मंगल	10/07/2023	राहु	23/05/2042	गुरु	26/03/2059
चंद्र	04/12/1991	मंगल	03/12/2009	राहु	03/12/2025	गुरु	03/12/2044	शनि	03/12/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/12/2061		03/12/2068		03/12/2088		03/12/2094		04/12/2104	
03/12/2068		03/12/2088		03/12/2094		04/12/2104		00/00/0000	
केतु	01/05/2062	शुक्र	03/04/2072	सूर्य	22/03/2089	चंद्र	04/10/2095	मंगल	18/12/2104
शुक्र	01/07/2063	सूर्य	04/04/2073	चंद्र	21/09/2089	मंगल	04/05/2096		00/00/0000
सूर्य	06/11/2063	चंद्र	03/12/2074	मंगल	27/01/2090	राहु	03/11/2097		00/00/0000
चंद्र	06/06/2064	मंगल	02/02/2076	राहु	22/12/2090	गुरु	05/03/2099		00/00/0000
मंगल	02/11/2064	राहु	02/02/2079	गुरु	10/10/2091	शनि	04/10/2100		00/00/0000
राहु	21/11/2065	गुरु	03/10/2081	शनि	21/09/2092	बुध	05/03/2102		00/00/0000
गुरु	28/10/2066	शनि	03/12/2084	बुध	28/07/2093	केतु	04/10/2102		00/00/0000
शनि	07/12/2067	बुध	04/10/2087	केतु	03/12/2093	शुक्र	04/06/2104		00/00/0000
बुध	03/12/2068	केतु	03/12/2088	शुक्र	03/12/2094	सूर्य	04/12/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।